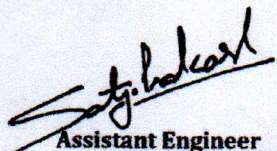


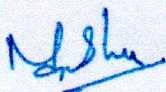
Justification

Name of Work:- Under chief minister announcement in legislative assembly area and block Yamkeshwar on Chilla - Pashulok motor road at Been river near by Gangabhogpur construction of double lane R.C.C. bridge span 200 mtr.

1. This bridge connects the Chilla side to the Rishikesh on the existing road . However during night time traffic should be regulated. This road should be used for the bonafied purpose of local villagers only . In emergency situation only this road should be open After seeking permission from Director / CWLW.
2. Camera should be placed in the proposed bridge for monitoring the wildlife movement as well as unauthorized entry of people in to the park area at the cost of user agency.
3. Regular patrolling should be done on this road , particularly during night time and the expenditure incurred should bear by the user agency.
4. It will provide all season connectivity from Chilla to Rishikesh for both the villagers residing in adjoining Villages and also to the park staffs , otherwise this area is blocked during heavy rain .
5. It will provide free passage to the animals to Ganga river.
6. It will help in strengthening the security concern, as it will prevent the entry of by passers in to the park area.
7. It is an Important Road to connect Rishikesh and Haridwar.
8. This play an important role during Chardham yatra Kumbh, Kawadmela and regional ritual.
9. 27 village of Dadamandal belt of Yamkeshwar Block remained to be Connected during Manson season After construction of this bridge they will be connected to Haridwar and Rishikesh



Assistant Engineer
Construction Division
P.W.D Dugadda



Executive Engineer
Construction Division
P.W.D, Dugadda

प्रतिवेदन

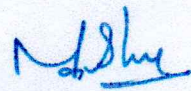
परियोजना का नाम :- माननीय मुख्य मंत्री जी की घोषणा सं० 155/2018 के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधान सभा क्षेत्र यमकेश्वर में चीला-पशुलोक मोटर मार्ग पर गंगा भोगपुर के पास बीन नदी में 200 मी० स्पान डबल लेन आर०सी०सी० पुल निर्माण हेतु 0.510 है० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग दुगड़डा को प्रत्यावर्तन ।

माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा सं०-155/2018 के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधान सभा क्षेत्र यमकेश्वर में चीला-पशुलोक मोटर मार्ग पर गंगाभोगपुर के पास बीन नदी में 200 मी० स्पान डबल लेन आर०सी०सी० पुल निर्माण कार्य की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शा०सं०-2786/111(2)/18-36(एम०एल०ए०)/17 टी०सी० दिनांक 08/06/18 द्वारा लम्बाई 200.00 मी० स्पान हेतु लागत रू० 29.67 लाख मात्र की प्रथम चरण हेतु प्राप्त हुई है। उक्त स्वीकृति के सापेक्ष सेतु का निर्माण बीन नदी राजाजी टाईगर रिजर्व, वन प्रभाग की गोहरी-रेंज के कुनाऊ बीट, खदरी/बीन बीट की आरक्षित वन भूमि में प्रस्तावित किया गया है, जिसके लिए 0.510 है० आरक्षित वन भूमि का लोक निर्माण विभाग को प्रत्यावर्तन हेतु प्रस्ताव गठित किया गया है।

प्रस्तावित सेतु चीला-पशुलोक मोटर मार्ग पर बीन नदी पर निर्मित किया जाना प्रस्तावित है, जिससे चार धाम यात्रा कावड़ मेला, कुम्भ मेला एवं स्थानीय धार्मिक उत्सवों में श्रद्धालुओं को हरिद्वार ऋषिकेश, लक्ष्मणझूला आवागमन में सुलभता होगी एवं डाण्डामण्डल पट्टी में यमकेश्वर ब्लॉक के 27 गावों जो कि वर्षा ऋतु में संयोजकता न रहने के कारण डाण्डामण्डल क्षेत्र में ही रहने के लिये बाध्य हो जाते हैं। इस सेतु के निर्मित होने से क्षेत्रवासियों को वर्षाकाल में भी ऋषिकेश एवं हरिद्वार से संयोजकता मिल जायेगी। जिससे क्षेत्रवासियों का सामाजिक व आर्थिक विकास होगा, तथा वर्षा काल में भी आवश्यकता होने पर चिकित्सालय, ब्लॉक मुख्यालय, जिला मुख्यालय एवं राजधानी से संयोजकता मिल जायेगी। जिससे क्षेत्रवासियों को होने वाली जान-माल की क्षति से बचाया जा सकेगा।

उक्त स्वीकृति के सापेक्ष सेतु का निर्माण बीन नदी राजाजी टाईगर रिजर्व, वन प्रभाग की गोहरी-रेंज के कुनाऊ बीट, खदरी/बीन बीट की आरक्षित वन भूमि में प्रस्तावित किया गया है, जिसके लिए 0.510 है० आरक्षित वन भूमि का लोक निर्माण विभाग को प्रत्यावर्तन की आवश्यकता होगी। वन भूमि हस्तान्तरण होने से पूर्व राज्य एवम् राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की सहमति प्राप्त करना अतिआवश्यक है। जिस हेतु यह प्रस्ताव गठित किया गया है।

अतः व्यापक जनहित में प्रस्तावित सेतु निर्माण हेतु 0.510 है० आरक्षित वन भूमि का लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण करने की आवश्यकता है। वन भूमि हस्तान्तरण होने से पूर्व भारत सरकार के पत्र सं० F.NO.6- 154/2019 WL दिनांक 21.01.2020 द्वारा राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की सहमति प्राप्त कर ली गई है। वन भूमि हस्तान्तरण करने हेतु यह प्रस्ताव गठित किया गया है।


अधिसासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०
दुगड़डा - गढ़वाल
